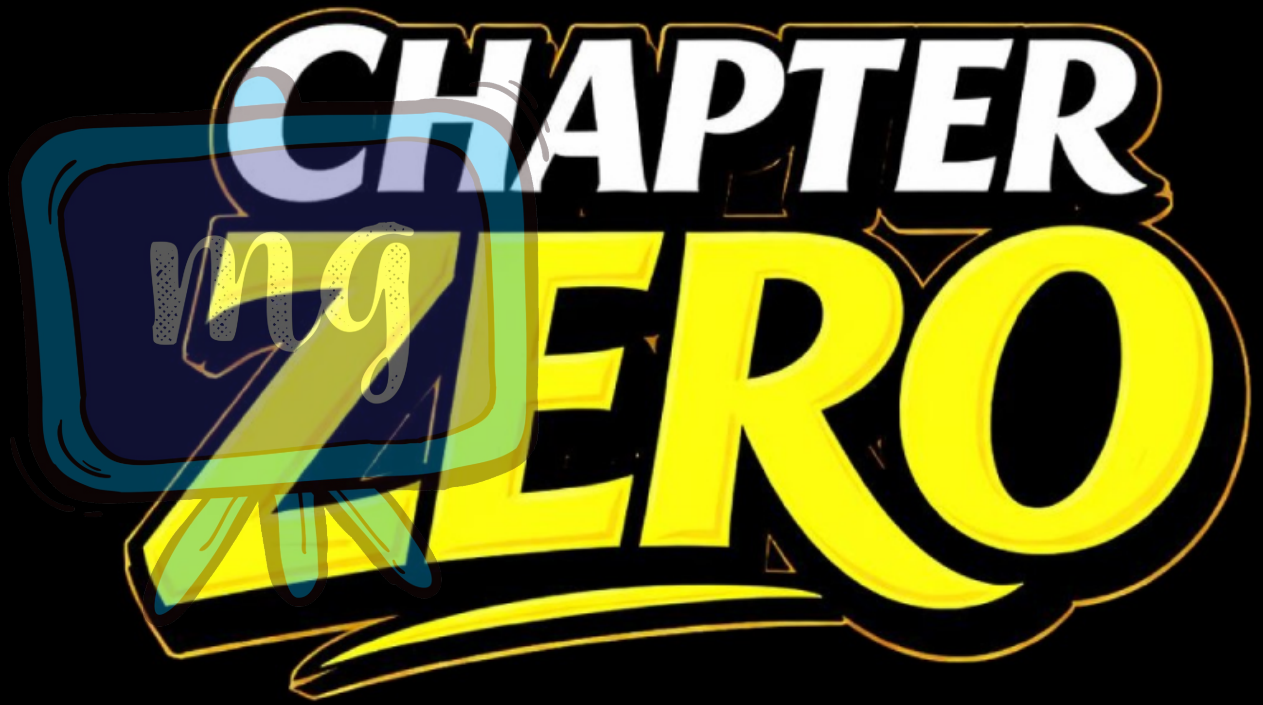
CHAPTER
ZERO

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

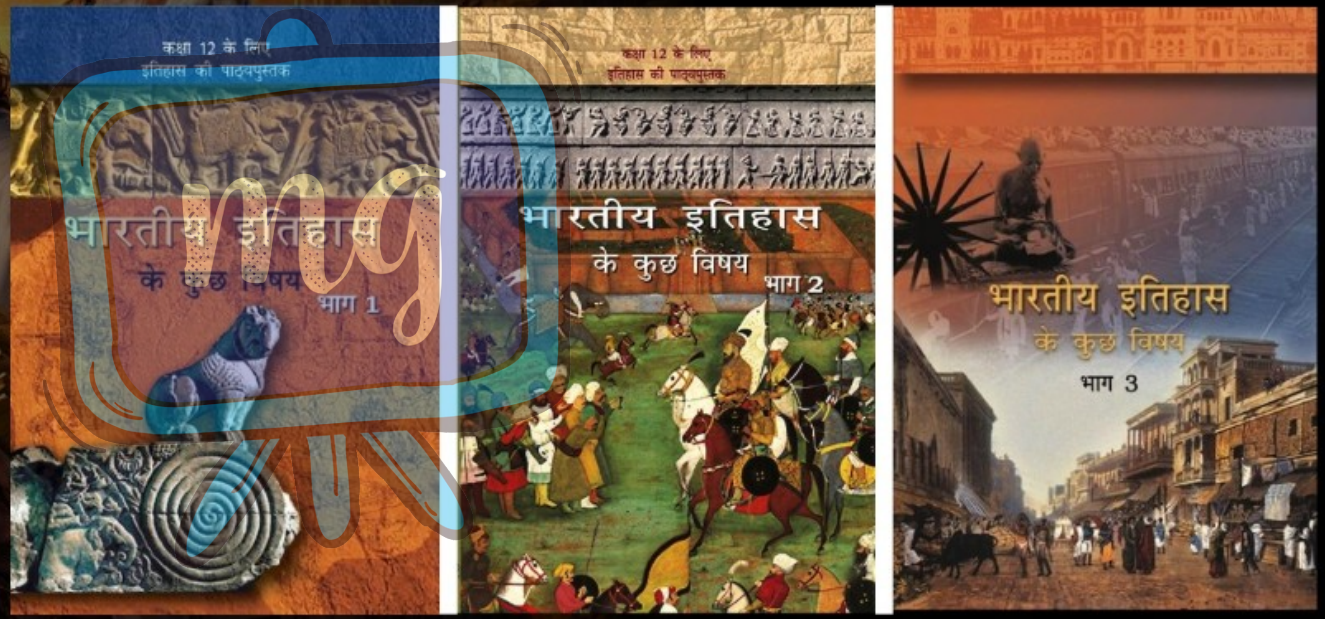

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मध्य कालीन
mg



भाग 2

विषय पाँच
यात्रियों के नज़रिए — 115
समाज के बारे में उनकी समझ
(लगभग दसवीं से सत्रहवीं सदी तक)

विषय छः
भक्ति–सूफी परंपराएँ — 140
धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ
(लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

विषय सात
एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर — 170
(लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक)

विषय आठ
किसान, ज़मींदार और राज्य — 196
कृषि समाज और मुगल साम्राज्य
(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

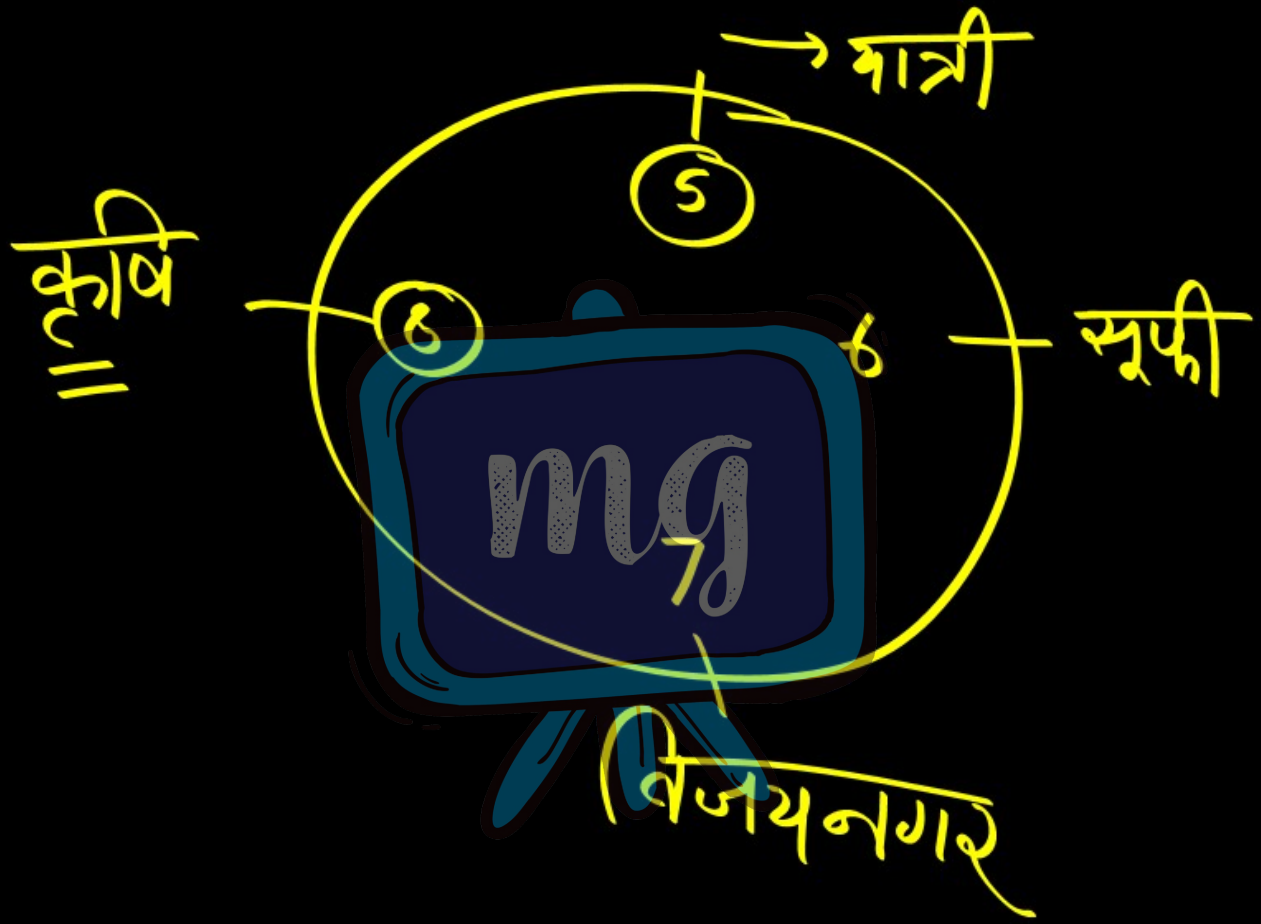

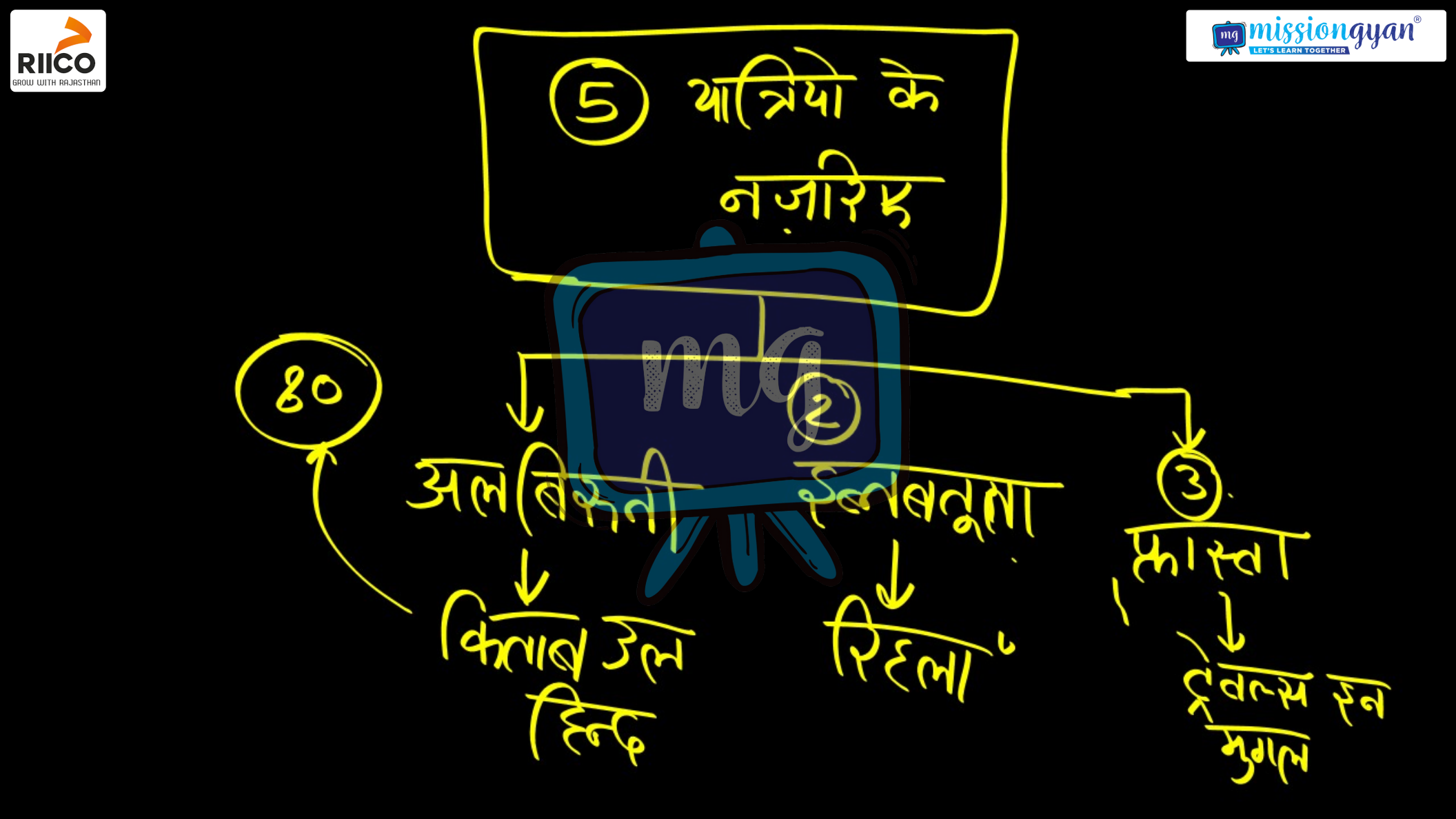
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
5 यात्रियों के नज़रिए
40
2
अलबिरूनी
इब्नबतूता
3
फ्रांस्वा
किताब उल हिन्द
रिहला
ट्रैवल्स इन मुगल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

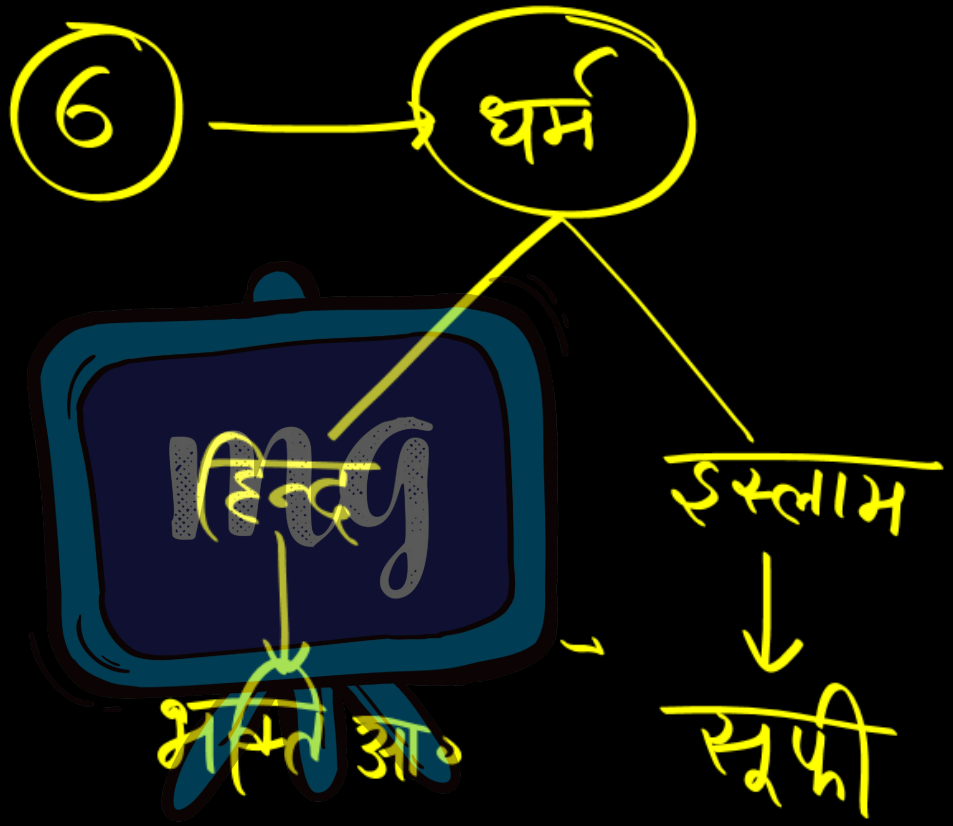

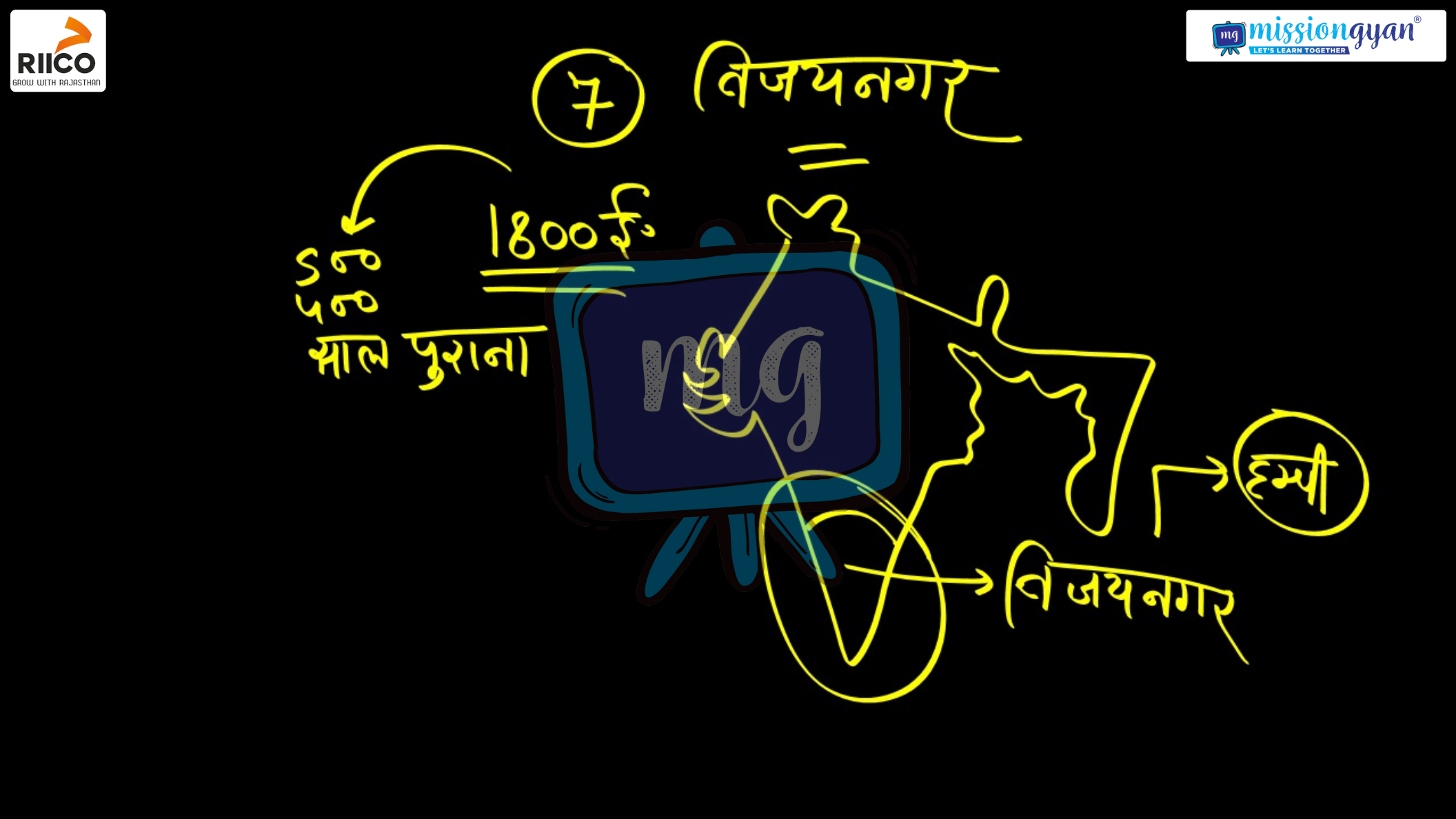
7
विजयनगर
1800 ई.
500 साल पुराना
हम्पी
विजयनगर

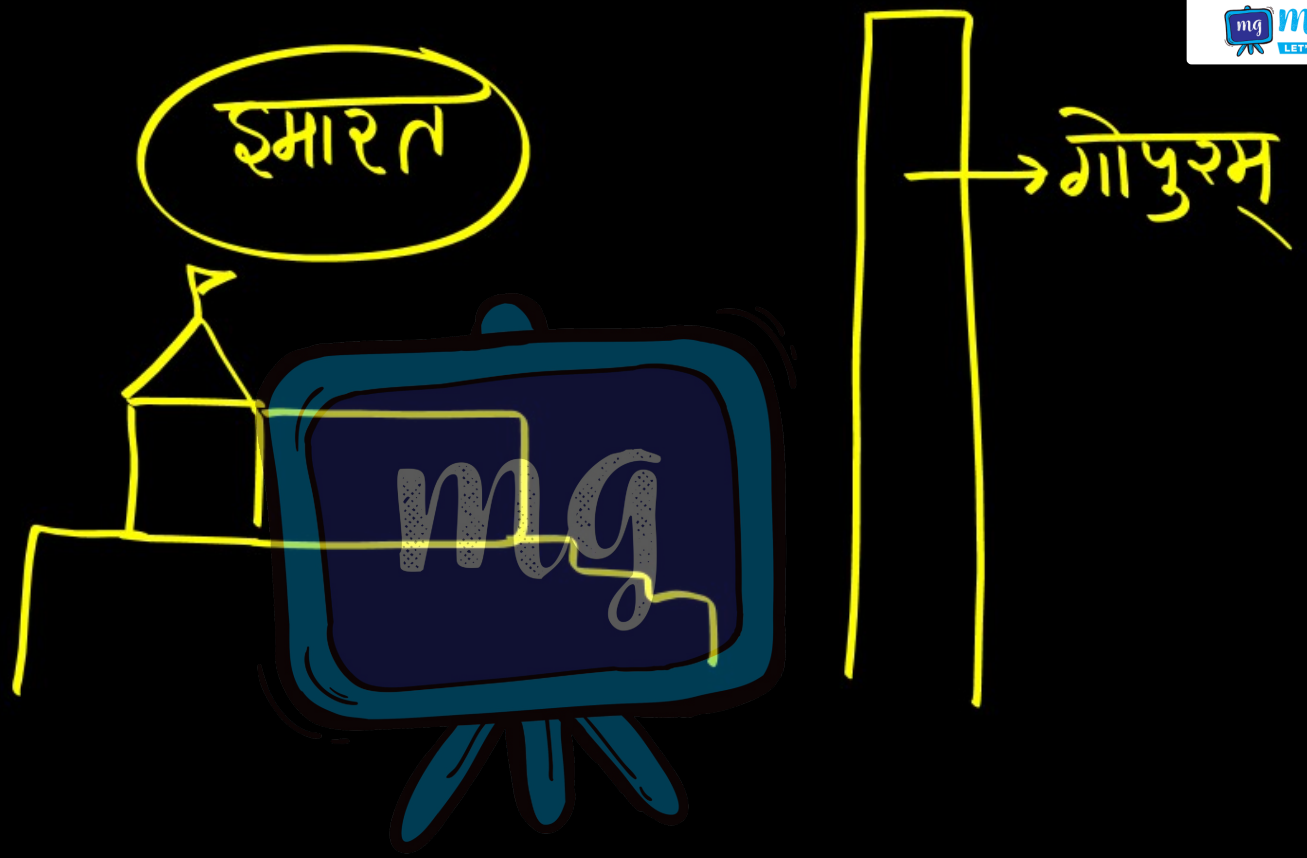
इमारत
गोपुरम्
mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

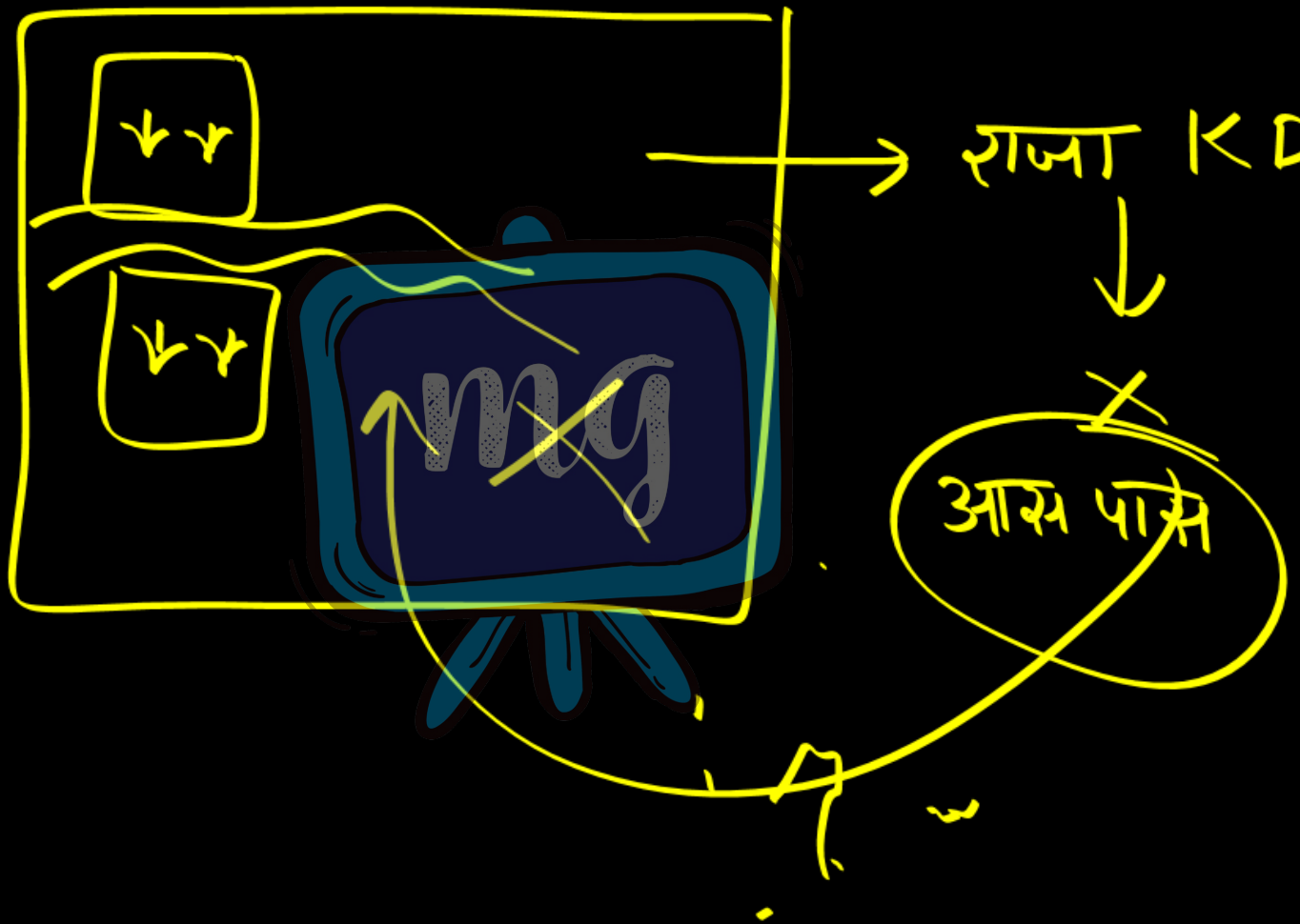

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

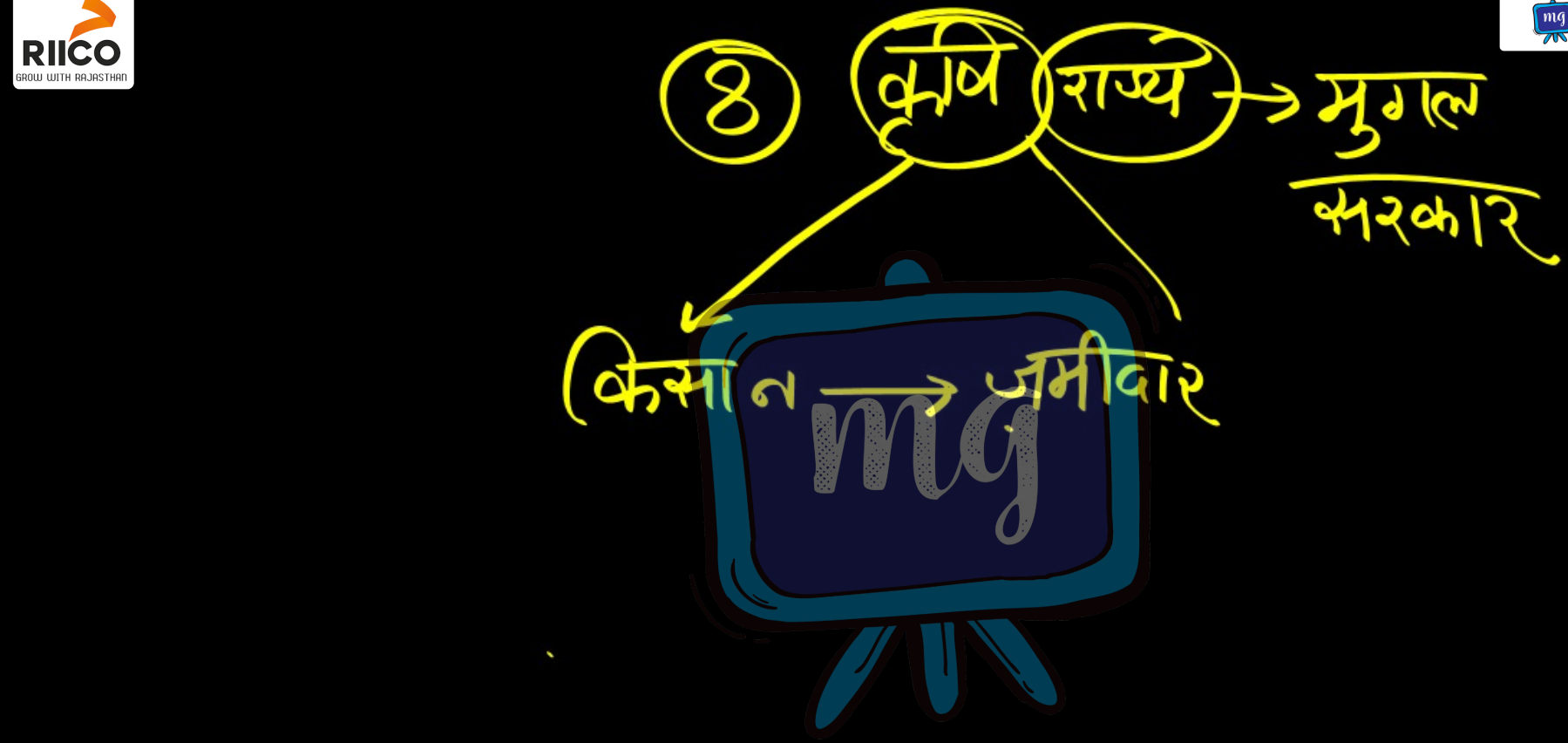

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

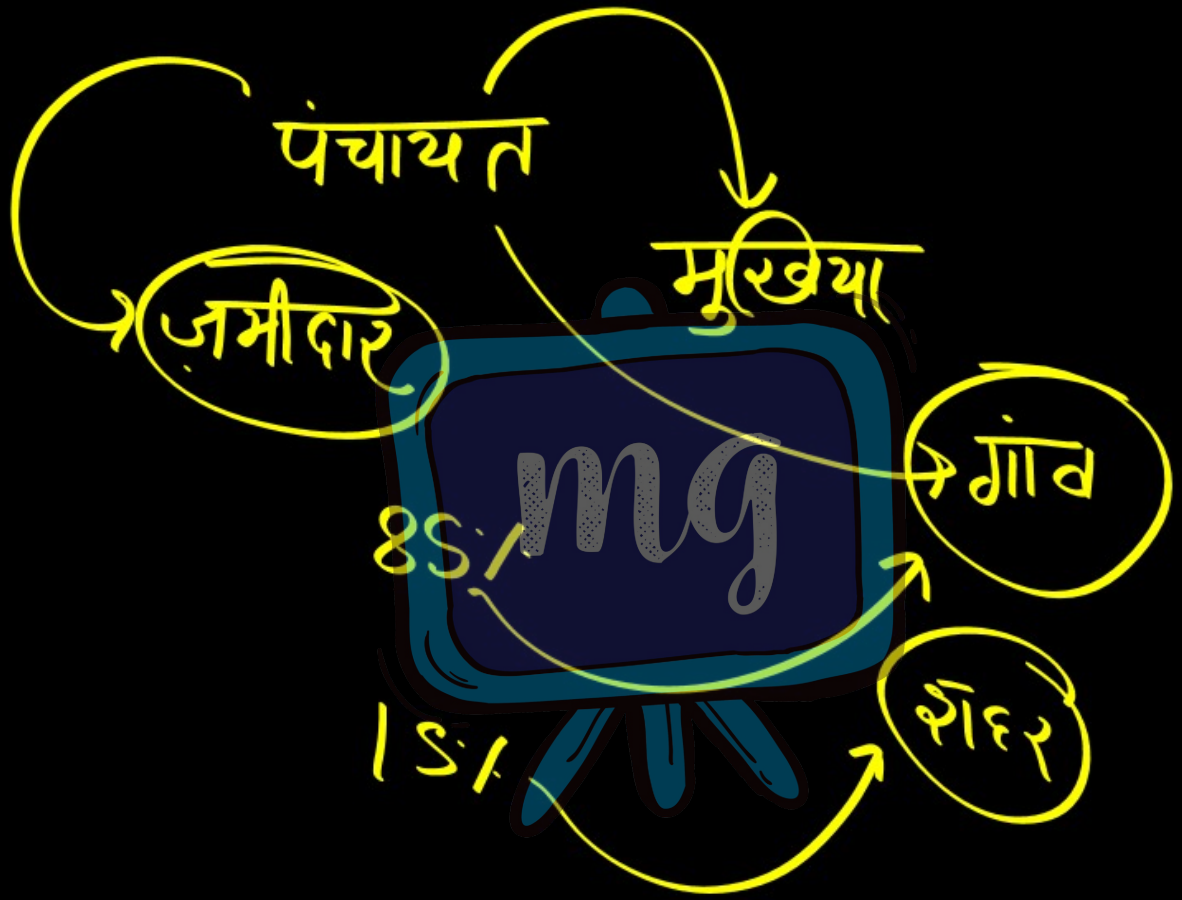

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

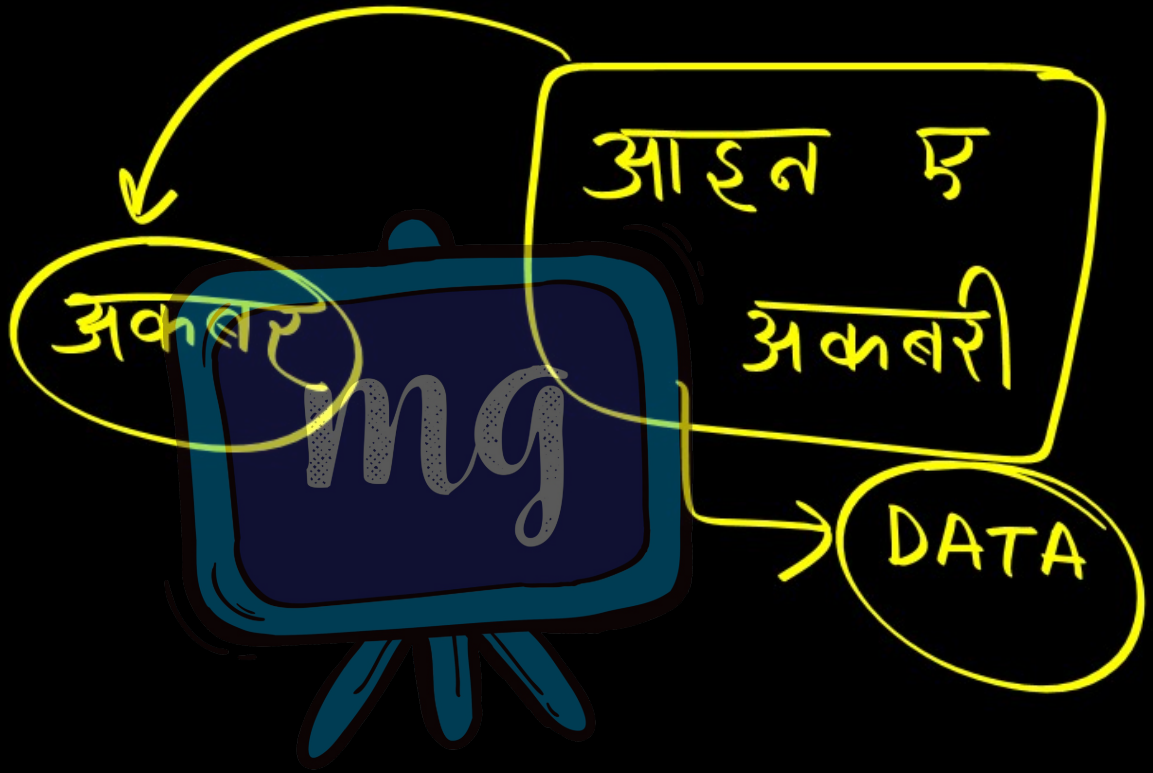

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संक्षेप में अर्थ

अतिरिक्त जानकारी

विस्तृत परिभाषाएँ



(ग) स्रोत अलग तरह के बॉक्स में दिए गए हैं। तरह-तरह की लिखित सामग्री एवं अभिलेखों से अंश इनके अंतर्गत दिए गए हैं। लिखित साक्ष्यों के साथ ही चित्रों के साक्ष्य उन सुरागों से परिचित कराएँगे जिनका इतिहासकार इस्तेमाल करते हैं। आप यह भी देखेंगे कि इतिहासकार इनका विश्लेषण कैसे करते हैं। अंतिम परीक्षा में समान/मिलती-जुलती सामग्री के अंश या फिर चित्र दिए जा सकते हैं। इस तरह आपको ऐसी सामग्री के प्रयोग का अवसर मिलेगा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्रमाण ✓

विजयनगर



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



स्त्रोत - 2

स्त्रोत

यह रिह्ला से लिया गया एक उद्धरण है: अपने जन्म स्थान तैजियर से मेरा प्रस्थान गुरुवार को हुआ... मैं अकेला ही निकल पड़ा, बिना किसी साथी यात्री... या कारवाँ के जिसकी टोली में मैं शामिल हो सकूँ, लेकिन अपने अंदर एक अधिप्रभावी आवेग और इन प्रसिद्ध पुण्यस्थानों को देखने की इच्छा जो लंबे समय से मेरे अंतःकरण में थी, से प्रभावित होकर। इसलिए मैंने अपने प्रियजनों को छोड़ जाने के निश्चय को दृढ़ किया और अपने घर को ऐसे ही छोड़ दिया जैसे पक्षी अपने घोंसलों को छोड़ देते हैं... उस समय मेरी उम्र बाईस वर्ष थी।

इब्न बतूता 1354 में घर वापस पहुँचा, अपनी यात्रा आरंभ करने के लगभग तीस वर्ष बाद।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अध्याय 5 : यात्रियों के नजरिये

समय क्रम : 10वीं से 17वीं सदी

- 11वीं सदी — अल बिरूनी
  - किताब उल हिन्द
  - उज्बेकिस्तान
  - महमूद
  - शासक : गजनी
- 14वीं सदी ← इब्नबतूता
  - मॉरोक्को
  - मुहम्मद बिन तुगलक
  - रिहला
- 17वीं सदी ← फ्रांस्वा बर्नियर
  - फ्रांस
  - शाहजहां
  - ट्रेवल्स इन मुगल एम्पायर

अलबिरूनी → भाषा वेद : सीरियाई, फारसी, हिब्रू, संस्कृत

973 ई. ख्वारिज़्म (उज़)

आक्रमण 1017

सुल्तान महमूद गज़नी → पंजाब हिस्सा बन गया

किताब उल हिन्द

- सरल एवं स्पष्ट भाषा
- विषयवस्तु : धर्म दर्शन, त्योहार, रवगोल, शीत रिवाज, प्रथा, कानून, मांप तंत्र विज्ञान
- शैली : प्रश्न → वर्णन → तुलना
- भाषा : अरबी
- अध्याय : 80

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

